Coronavirus CivActs Campaign (CCC) सँ सरकार, सञ्चार माध्यम, संघसंस्था आ आम नागरिक बिचक सूचनाके दुरी कम कएक देशभैरसं संकलन कएलगेल हल्ला, नागरिकक जिज्ञासा आ प्रश्नसभ संकलन कए तथ्य पत्ता लगाएक आम नागरिकके सूचित करैत अछि । एहिसं आम नागरिकक आवश्यकताके पहिचान करवाक साथे हल्लासभहक कोनो नकारात्मक असर पहुचावस पहिलेहि सान्दर्भिक तथ्य आम नागरिक सभमे प्रवाह कए जोखिम न्युनिकरण करैत अछि ।

प्रक्षेपित तथ्यांकके आधारमे आईसोलेशन व्यवस्थापनके लेल प्रदेश सरकारके रकम निकासा

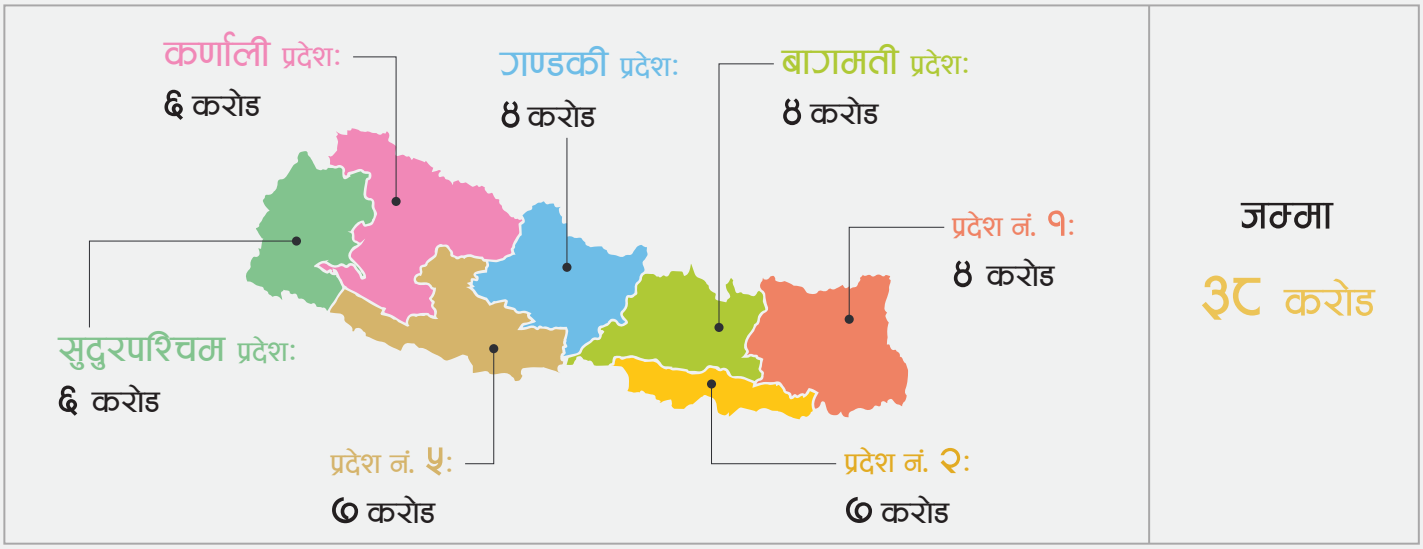

उपरका रकम स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालयके प्रदेशगत संक्रमणके प्रक्षेपणके तथ्यांकके आधार आ जरुरत अनुसार आईसोलेशन सेन्टर निर्माण, मर्मत तथा सुधार कल सञ्चालन व्यवस्थापन कर प्रदेश सरकार मार्फत बहुतो ८४ टा पालिकाके लेल छुट्याओल गेल छै । कोन पालिकामे कते रकम निकासा भेलै ? पूर्ण विवरण देख निचाके लिंकमे देखु ।

स्रोत: https://www.opmcm.gov.np/

नेपाल अपडेट

महोत्तरीके सम्सीमे गाउँपालिकामे रहल क्वारेन्टाईन

तस्बिर: राकेश प्रसाद चौधरी

हल्ला र तथ्य

सूदुरपश्चिम प्रदेशमे स्वास्थ्य स्वयंसेवकके अभावमे कोभिड - १९ के प्रतिकार्यमे कठिनाई भरहल छै से कहैत अछि त ।

सामाजिक विकास मन्त्रालय, सूदुरपश्चिम प्रदेश सँ कोभिड - १९ के प्रतिकार्यके लेल स्वयंसेवकके रूपमे ७ कोई स्टाफ नर्स, ४० कोई अनमी, २५ कोई अहेव आ ५ कोई ल्याब असिस्टेन्ट परिचालन करने छलै । जन शिकायत आ जरुरतके मध्यनजर करैत स्वास्थ्य निर्देशनालय सँ आरो ३० कोई स्टाफ नर्स छनौट कलक परिचालन कलचुकल अछि ।

स्रोत: https://drive.google.com/drive/folders/1GSpFcDX6yNj9yJdyY0svnRdYNdrPUQX0

विभिन्न आश्रय स्थलमे रहल आदमीसभके कोरोना महामारीके समयमे उचित देखभाल तथा व्यवस्थापन होब नै सकल छै कहैत अछि । ई विषयके के देखैत अछि ?

अखन आश्रय स्थलमे काज भेल नै भेल सम्बन्धमे विपद् जोखिम न्यूनिकरण तथा व्यवस्थापन ऐन, २०७४, कार्यान्वयनके लेल गठित समिति तथा राष्ट्रिय विपद् प्रतिकार्यके कार्यढाँचा, २०७० अन्तरगत गठित संरक्षण विषयगत देखवला समिति करैत अछि । अहिना, गार्भवती, प्रसौती जनानी आ आरो जनानी, धियापुता तथा जेठ नागरिकसभके सम्बन्धमे नियमित रूपमे महिला, बालबालिका तथा जेठ नागरिक मन्त्रालय, राष्ट्रिय महिला आयोग, मानव अधिकार आयोग आ सम्बन्धित प्रदेशके सामाजिक विकास मन्त्रालय तथा सम्बन्धित स्थानीय तह समेत अनुगमन कल सकैत अछि ।

स्रोत: https://mofaga.gov.np/uploads/notices/Notices-20200628124632562.pdf

उपत्यका सँ बाहर जायवला पासके लेल फेरो सरकार दोसर निर्णय करलक कहादन । पास लैला कि कर परैछै ?

सवारी पासके लेल जिल्ला प्रशासन कार्यालय काठमाण्डौ नयाँ निवेदनके ढाँचा सार्वजनिक केने अछि । तै के लेल आदमीके नाम, थर, लिंग, उमेर, स्थायी ठेगाना, संपर्क नं., जायवला जिला, पालिका, वडा, टोल, जायके मिति, सवारी नं., सवारीके प्रकार, सवारी धनीके नाम, सवारी चालकके नाम उल्लेख कलक निवेदनके साथमे जायपरवला स्थानीय तहके सिफारिस या यात्रा प्रयोजन खुलवला कागजातके फोटोकपी समेत संलग्न कर परैत अछि ।

स्रोत: http://daokathmandu.moha.gov.np/post/vehicle-pass-application

आब लकडाउन ढिला होईत गेलापर सवारी दुर्घटना सेहो बढ्के सम्भावना छै । सरकार एकर किछ तैयारी केने छै कि ?

लकडाउन ढिला भेलाके बाद होबवला जोखिम न्यूनिकरण कर नेपाल प्रहरी कार्ययोजनना तैयार केने छै । जै अनुसार टाईमकार्ड सिस्टम लागु करब । सवारीके गति निर्धारण कलक मापन करला स्पीडो मिटर प्रयोगमे आनब । सडक संरचनाके स्तरमे उन्नती करब । सचेतनामुलक कार्यक्रमसभ सञ्चालन करब आ ट्राफिक नियम उल्लंघन करवलाके कारवाही करके नेपाल प्रहरी तैयारी केने छै ।

स्रोत: https://nepalpolice.gov.np/images/documents/general_documents/lockdown-crime-control-2077-03-02.pdf

WhatsApp मार्फत हमरासभके विषयमे नियमित ताजा जानकारी पाब

१. आहाके कन्ट्याक्ट लिस्टमे +2760806146 एड करु

२. उपरका कन्ट्याक्ट नम्बरमे Nepal लिख्क म्यासेज पठाउ

COVID-19

को बारेमा बुझ्न नि:शुल्क हटलाईन

viamo द्वारा प्रस्तुत

कोभिड - १९ सम्बन्धि मंगानियेमे जानकारी लेबके लेल आहाके NTC सिमकार्ड सँ ३२१०० मे डायल करु

accountabilitylab NEPAL

Open Migration

मुख्य गन्तव्य राष्ट्रमा रहेका नेपाली कामदार

साउदी अरब	कुवेत	बहराईन	कतार	युएई	ओमान	मलेसिया	दक्षिण कोरिया
३,३४,४५१ नेपाली	७१,१२३ नेपाली	२६,००० नेपाली	४,०६,२१७ नेपाली	२,२४,२०५ नेपाली	१७,०५७ नेपाली	५,००,००० नेपाली	३८,८६२ नेपाली
१,८२,४२३ संक्रमित	४५,५२४ संक्रमित	२५,७०५ संक्रमित	९५,१०६ संक्रमित	४७,७२७ संक्रमित	३२,०६०	८,६३७ संक्रमित	१२,७५७ संक्रमित
१,६५० नेपाली संक्रमित	७५० नेपाली संक्रमित	४५१ नेपाली संक्रमित	१८,००० नेपाली संक्रमित	१,६०० नेपाली संक्रमित		८२ नेपाली संक्रमित	
२ मृत्यु भएका नेपाली	३ मृत्यु भएक नेपाली	३ मृत्यु भएका नेपाली	७ मृत्यु भएका नेपाली	१२ मृत्यु भएका नेपाली			

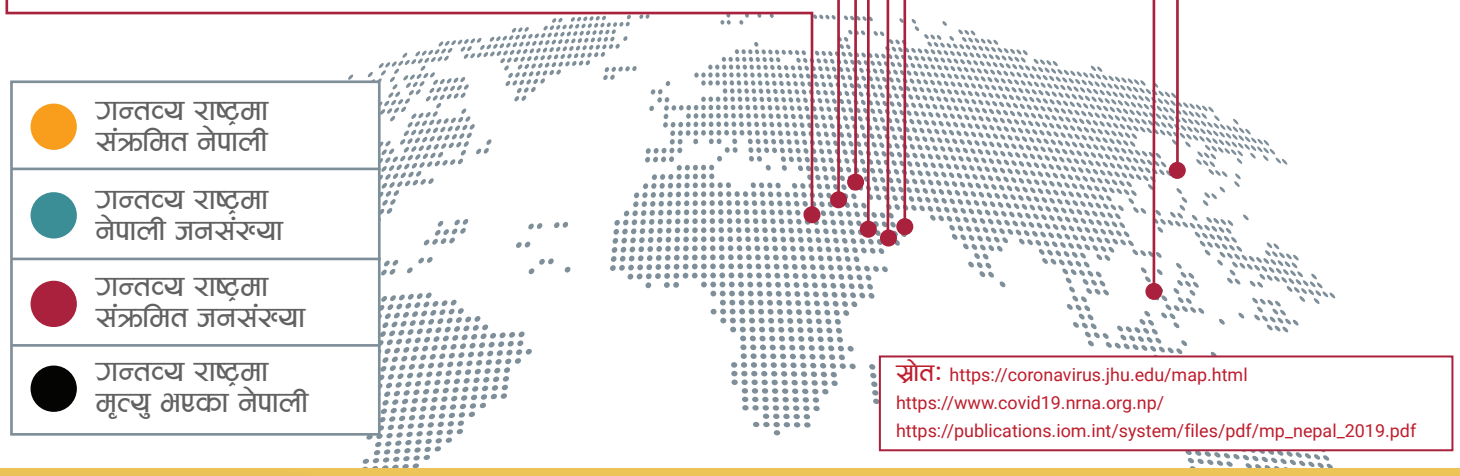

स्रोत: https://coronavirus.jhu.edu/map.html
https://www.covid19.nrna.org.np/
https://publications.iom.int/system/files/pdf/mp_nepal_2019.pdf

ShramikSanjal

विदेश सँ फिर्ता आबि रहल छी ? बुझैत रहु ई ५ बातसभ

यू.ए.ई. सेहो १९ मई २०२० मे नाम दर्ता केने सबके नाम एकमुष्ठ रूपमे सार्वजनिक केने छै । सूची लिस्टक www.bit.ly/embassynamelist1 मे जालक देखल जा सकैत अछि ।

अखनके अवस्थामे विदेशसँ नेपाल आबकालमे ध्यान देबहे परवला महत्वपूर्ण बातसभ

१. एयरलाईन्स सँ तोकलगेल मात्रा सँ कनिको बेसी तौलके सामान नै बोकब ।

२. उडान होब सँ पहिले अपन स्थास्थ्य पर विशेष ध्यान देब । जेनाऊ बहुते ठंढा खायवला चिजसभ नै खायब, स्वस्थ्यकर खाना खायब, पर्याप्त निन्द पुगे तेना सुतब, दारुसन चिजसभ नै पियब ।

३. यात्राके क्रममे खाना नै भेट सकैय । बिस्कुट लगाएत नै पकाक खाय मिलवला सामानसभ ह्यान्ड ब्यागमे रखनाई बढिया होई छै आ सकै छी त छोटका चद्दईर रखनाई सेहो उपयुक्त हेतै ।

४. नेपाल पुगलाके बाद स्थानीय क्वारेनटाईन या होटलमे रह सँ पहिले योजना बनाउ । होटलमे रहला सँ बहुते खर्च हेतै, तै मे सेहो ध्यान देब ।

५. बिमारी आ गर्भवती जेहन विशेष अवस्थाके व्यक्तिसभके होम क्यारेन्टाईनमे रहपरलापर सम्बन्धित वार्ड अध्यक्ष सँ सम्पर्क आ समन्वय कलक अपन अवस्था, घरके परिस्थिती आ आहा कतेक सचेत छी से कह सकब त हुनकासभके सिफारिसमे अपने घरमे सेहो जा सकैत छी ।

accountabilitylab NEPAL

$ फलो द मनी - खर्चको अर्थ

संघिय सरकार

जम्मा

तिन पटक गरेर नेपाल सरकार अर्थ मन्त्रालय मार्फत छुट्याईएको

करिब १ अर्व ४८ करोड

कोरोना भाईरस जोखिम नियन्त्रण, रोकथाम तथा नियन्त्रण कोषमा जम्मा

करिब २ अर्व २६ करोड

दाता

ए.डि.बि.
करिब ३० अर्व ३३ करोड

विश्व बैंक
करिब ३ करोड ४८ लाख

आई.एम.एफ.
करिब १५ अर्व ८८ करोड

युरोपियन युनियन
करिब ९ अर्व ९४ करोड

खर्च

कोरोना भाईरस विरुद्धका गतिविधिमा नेपाल सरकारले गरेको खर्च स्वास्थ्य मन्त्रालयलाई निकासा

करिब ४ अर्व १० करोड

रक्षा मन्त्रालय माफर्त कोरोना रोकथाम र नियन्त्रणका लागि चाहिने स्वास्थ्य उपकरण खरिदको लागि

२ अर्ब ३४ करोड निकासा

प्रदेश सरकार

प्रदेश	प्रदेश १	प्रदेश २	बागमती प्रदेश	गण्डकी प्रदेश	प्रदेश ५	कर्णाली प्रदेश	सुदुरपश्चिम प्रदेश
जम्मा रकम	करिब २९.४ करोड	करिब २६.६ करोड	करिब ४२.९ करोड	करिब १८.३ करोड	करिब १५.६ करोड	करिब २५.४ करोड	करिब ४२.५ करोड
खर्च गरिएको रकम	करिब १९.३ करोड	करिब १३.३ करोड	करिब १३.६ करोड	करिब १५.४ करोड	करिब ७.७९ करोड	करिब २३.९ करोड	करिब ३६.४ करोड

अलगे अलगे प्रदेशमे ईलाज करारहल आईसोलेशनमे रहल केस
आ क्वारेन्टाईनके औसत क्षमता

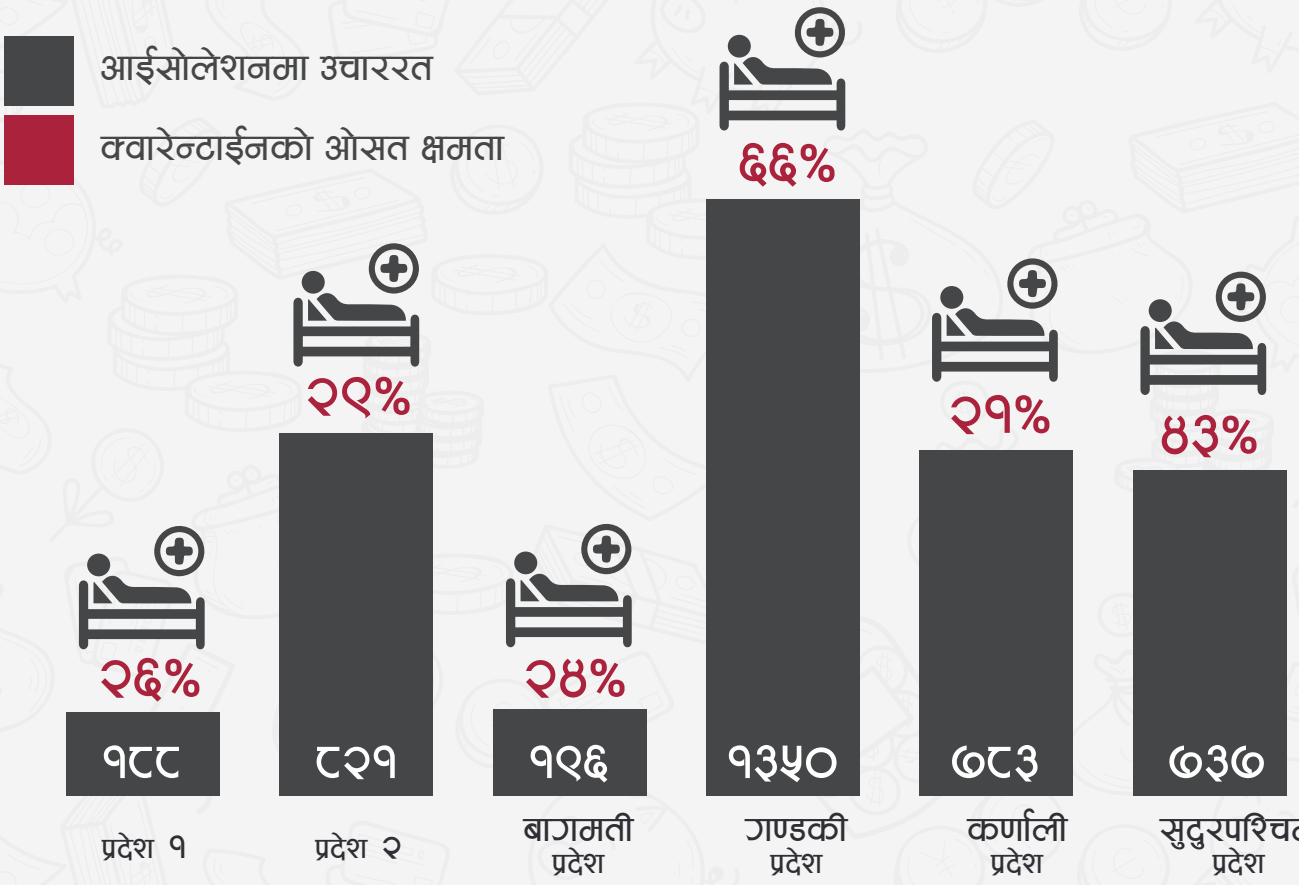

accountabilitylab NEPAL

$ फलो द मनी - खर्चको अर्थ

अलगे अलगे प्रदेशमे भेल आईसोलेशन सेवाके लेल भेल खर्चके प्रतिशत

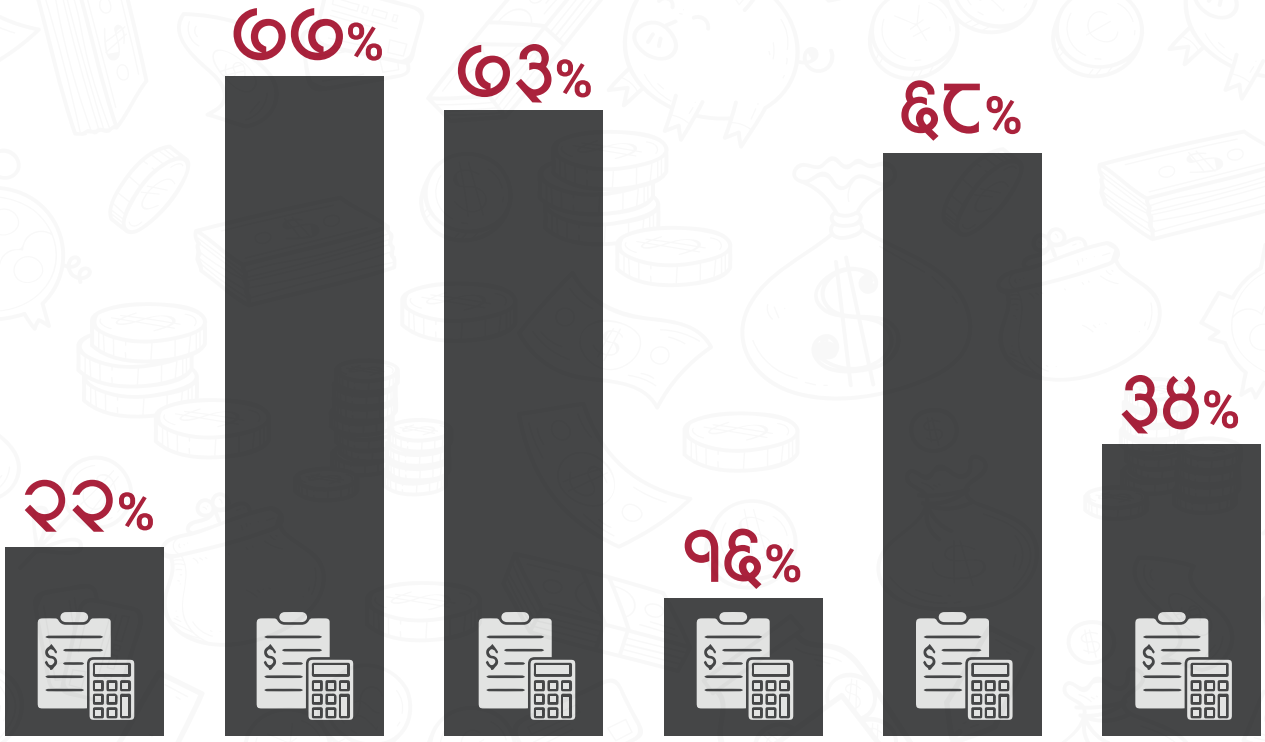

अखन क्वारेन्टाईनमे रहवला आदमीके संख्यामे तिव्र गिरावट आएल छै, लेकिन ईलाज करारहल, आईसोलेशनमे रहल आदमीके संख्या बढ़ैत जारहल छै । आईसोलेशन सेवामे खर्च बढेला सँ स्वास्थ्य आपतकालिन प्रतिकार्यके क्षमता बृद्धि करैछै । आईसोलेशनमे सुविधा अभिवृद्धि कर आ ओत भर्ना भेल बिमारीके ईलाजके बहुते रकमके जरुरत परैछै । ओईके लेल प्रदेशगत जम्मा खर्चके आईसोलेशन सेवाके लेल कएलगेल खर्चके विश्लेषण कर मनासिव देखाईत छै ।

अपनासभ उपरके ग्राफ सँ प्रदेश नं. २ आ कर्णाली प्रदेशके कोभिड - १९ मे कएलगेल जम्मा खर्चके बइका हिस्सा आईसोलेशन सेवामे खर्च भेल देखाईत छै । से कहके मतलब क्रमशः ७७% आ ६८% छै । अई सँ ई दूनू प्रदेशमे आईसोलेशन सेवा विकास होईत जारहल देखाईत छै । यद्यपी, आरो प्रदेशसभ, विशेष कलक प्रदेश नं. १, प्रदेश नं. ५ आ सुदुरपश्चिम प्रदेशके अवस्था चिन्ताजनक छै । हुनकासभके कुल खर्चके तुलनामे आईसोलेशनमे करलगेल खर्चके प्रतिशत न्यून छै । अईसँ ओई प्रदेशमे राहत वितरण, क्वारेन्टाईन निर्माण तथा व्यवस्थापन आ उपकरण किन मे बेसी खर्च भेल देखाईत अछि । प्रदेश नं. ५ के अवस्था बहुते चिन्ताजनक छै, किया कि अई प्रदेशमे आईसोलेशनमे ईलाज करारहलके संख्या बइका छै, आ क्वारेन्टाईनके सेहो ६६% क्षमता प्रयोगमे छै । उपरका ग्राफ सँ सूदुरपश्चिम प्रदेशके सेहो एहन समस्याका सामना कर परत से देखाबैत छै । जत क्वारेन्टाईन आ आईसोलेशनमे खर्च केला सँ परिस्थितिके मांग अनुसार कर परत से देखाईत अछि । नेपाल सरकारके प्रक्षेपण अनुसार, संक्रमितके संख्या ४०,००० सँ बेसी होब सकै छै । तहिसँ आईसोलेशन सेवाके श्रोत सम्पन्न बनेनाई जरुरी छै । तुलनात्मक अध्ययन करके लेल गण्डकी प्रदेशके तथ्यांक उपलब्ध नै छै ।

नोटः हमरासभके उद्देश्य सरकारद्वारा कयलगेल बढिया काज आ छुट्याओलगेल बजेटके विषयमे सबके जानकारी होई आ तेकरबाद अई विषयमे नागरिक आ आरो सरोकारवालाके बीचमे बातचित भलक सरकारके पर्याप्त पृष्ठपोषण प्राप्त होई से अछि । एत प्रस्तुत विवरण पूर्ण नै छै । उपलब्ध माध्यमसँ संग्रह कलक राखलगेल अछि । आरो सही तथ्यांक संकलन कलक परिमार्जन करैत जायब । अईमे सबकोईके सहयोग क देब लेल आग्रह करैत छी ।

accountabilitylab NEPAL

प्रभावकारी कोरोना प्रतिकार्यमे स्थानीय तहके भूमिका

कोरोना व्यवस्थापनमे सरकार कत्तेक सफल या असफल भेल बलाबात, स्थानिय सरकार कतेक प्रभावकारी रुपमे काम करलक आ कर पौलक तै बातपर निर्भर छै । वास्तवमे कहबै त, ७५३ टा स्थानीय तहके औचित्य अखनके कोरोना महामारी सँ पुष्टि क देने छै । लेकिन समग्रमे, सरकारके तीनु तहके समन्वयकारी भूमिका आरो महत्वपूर्ण रहतै ।

स्थानीय सरकारके चूनौती

१. स्थानीय सरकारके प्रदेश आ संघिय सरकारसंगे समन्वय आ तालमेलके अभाव - समन्वय करवला तहसभ (संघमे CCMC, प्रदेशमे PCCMC, जिलामे DCCMC आ स्थानीय तहम] LCCMC) बहुते भनाई।

२. आईसोलेशनके क्षमता पर्याप्त नै भेला सँ संक्रमितके क्वारेन्टाईने मे राखके बाध्यता छै ।

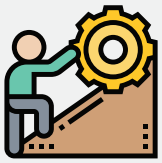

३. पिसिआर परीक्षणके दायरा बढाब नै सकला सँ संक्रमणके जोखिम न्युनिकरण करमे कठिनाई भेनाई ।

४. संघिय सरकारद्वारा केने निर्णय कार्यान्वयन करवला जनशक्तिके अभाव छै ।

५. सिमाना सँ प्रवेश करवलासभके तथ्यांक आ पूर्व तयारी नै भेलासँ तत्काल पूर्वाधार व्यवस्थापनमे कठिनाई ।

६. परीक्षण करवला सम्भावित संक्रमितसभ परीक्षण कर नै एनाई आ क्वारेन्टाईन सँ भाईग जेनाई ।

७. लैंगिक अल्पसंख्यक, जनानी, धियापुता, बृद्धबृद्धाके लेल विशेष व्यवस्था कर श्रोत तथा जनशक्तिके कमी ।

सिकाई

१. संकटमे व्यवस्थापन अकेले नै कएल जासकैत अछि, सबसंगेके सहकार्य आ सहयोगाके जरुरत छै ।

२. खर्च पारदर्शि भेलै त, सहयोग जुटाब सहज होईत छै ।

३. सम्भाव्य विपैतके लेल हमेशा तैयारी अवस्थामे रह परै छै ।

४. निरन्तर सम्पर्कमे रहला सँ जनताके सरकारके अनुभुति होईत रहैछै ।

५. निर्णय कार्यान्वयन करवला जनशक्ति निर्माणमे सेहो स्थानीय सरकारके ओतबे ध्यान देब परैत छै ।

६. संकटमे मानसिक आघातके समस्या बैढके जायवला बातके मध्यनजर कलक प्रतिकार्यके एकटा महत्वपूर्ण पक्ष मनोसामाजिक परामर्शके सेहो प्राथमिकतामे राख परैत छै ।

आब कि करब ?

१. संघिय-प्रदेश-स्थानीय सरकार बीच दोहरा संवाद बढाब, शिकायत लेब तथा देब, आ संघिय सरकारद्वारा स्थानीय आ प्रदेश सरकारसंगेके समन्वयमे जरुरत पहिचान कलक नीति निर्माण करब आ ओईके कार्यान्वयन् करके लेल श्रोत सेहो उपलब्ध कराएब ।

२. स्थानीय तहके आबवला आर्थिक वर्षके हरक कार्यक्रममे कोभिड रेस्पोन्सिभ रणनीति, बजेट, योजना आ कार्यक्रम बनाब मन्त्रालय सहजिकरण करत ।

३. सचेतना संगे पिसिआर परीक्षणके दायरा बढाएब ।

४. विदेश सँ फिर्ता आएल, देशमे रोजगारी गुमौने आ कोरोना सँ प्रभावितके परिवारके तथ्यांक अद्यावधिक करब, उचित व्यवस्थापन, पुनर्स्थापन कलक आयआर्जनसंगे जोइब - स्थानीय स्तरमे ट्रेनिङ हब सञ्चालन करब, व्यवसायिक करमे छुट देब ।

५. आम्दनी खर्च शिर्षकगत विवरणसंगे राहत पाबवला हरेकके नाम सार्वजनिक करब आ साथसाथे हमरासभके जनप्रतिनधि कि काम करहल अछि से जानकारी सेहो जनताके कराएब ।

६. लैंगिक अल्पसंख्यक, अपांगता भेल आदमी तथा गर्भवती/जनानीसभके लेल अलग्गे क्वारेन्टाईन तथा आईसोलेशनके व्यवस्था करब ।

७. कोरोना उपचार तथा व्यवस्थापनमे प्रत्यक्ष खटल स्वास्थ्यकर्मी आ आरो कर्मचारीके क्षमता वृद्धि करब, प्रोत्साहन करब आ मनोपरामर्शके व्यवस्था करब ।

सही सूचना

कोभिड- १९ के परीक्षण करमे समय लगैछै कि परीक्षणके परिणाम आबमे विलम्ब भरहल छै ?

कोभिड- १९ के संक्रमण सँ मृत्यु भेलसभके, मृत्यु होब सँ पहिले आ मृत्यु भेलाके बाद प्राप्त भेल परीक्षणके परिणाम

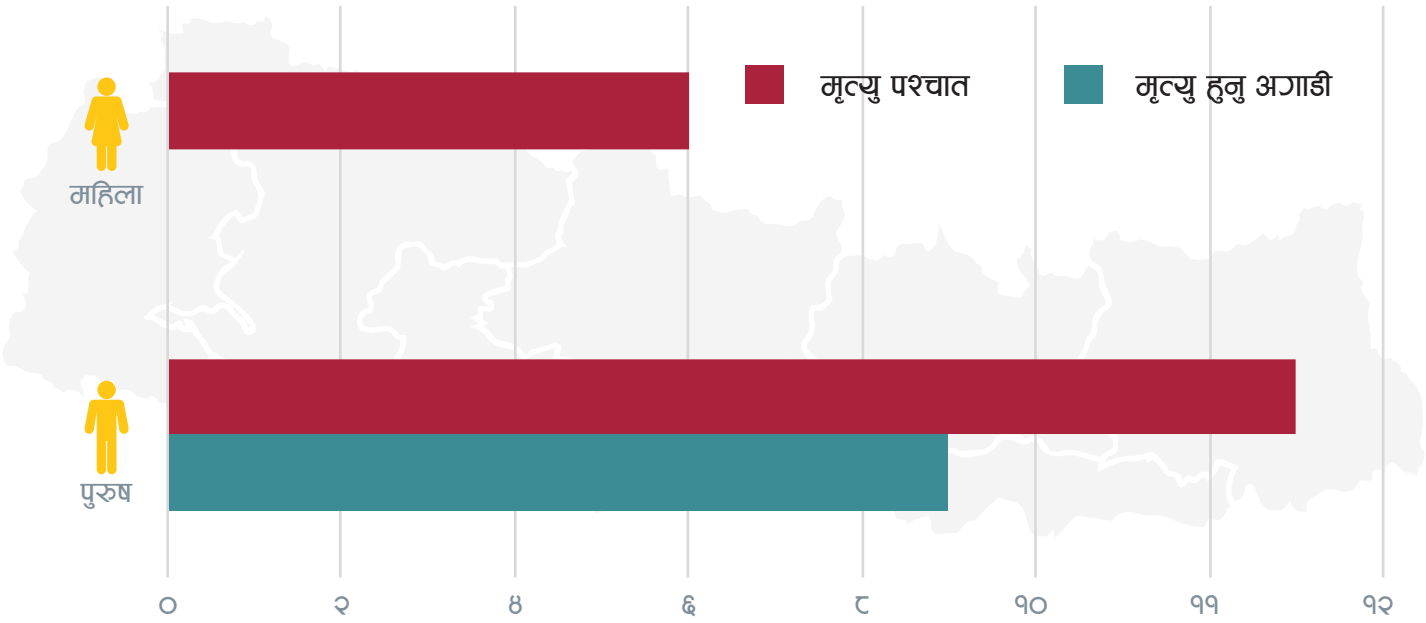

नेपालमे कोभिड- १९ के परीक्षणके परिणाम अबेर सँ आईबरहल छै । उपरका ग्राफसँ प्राय: संक्रमितके मृत्यु भेलाके बाद मात्रे आएल देखाईत अछि । संकलित नमुना परीक्षणके लेल लम्बा समय प्रतिक्षा करपरवला अवस्था छै । अईके कारण सँ नमुनासभ थुपारल के थुपारले छै । जब कि औसत दैनिक परीक्षणके संख्यामे कोनो सुधार नै भेल छै । पोजेटिभ केसके सन्दर्भमे, मृत्यु पश्चात परीक्षणके परिणाम आबके दूटा प्रमुख कारण होब सकैय : १) संभावित संक्रमितके ईलाजमे लागल स्वास्थ्यकर्मीमे संक्रमण सरके डर भेनाई आ २) सम्भावित संक्रमितके मृत्यु पश्चात मात्रे परीक्षण शुरु भरहल छै या सम्भावित संक्रमित गम्भिर अवस्थामे पुगलाके बाद मात्रे नमुना संकलन भरहल छै । ई सेहो देखल गेल छै कि, गम्भिर अवस्थाके बिमारीके ईलाज असम्भब जेना छै । यदि बिमारी गम्भिर अवस्थामे पुग सँ पहिलेहे संक्रमणके पहिचान कर सकलापर ईलाज सम्भब होब सकै छलै ।

स्रोत: HEOC, MoHP, SitRep

DISCLAIMER

एहि अंकमे समेटलगेल हल्ला, सवाल तथा सूचनासभ, बहुतरास संस्था तथा आदमी, नेपाल सरकार स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय आ विश्व स्वास्थ्य संगठनके वेब पेज, सामाजिक सञ्जाल, ७ टा प्रदेशमे रहल कम्युनिटी फ्रन्टलाईनर्स (समुदायमे आगु आबिक काज करवलासभ) आ सिभिक एक्सन टिम (नागरिक कार्य समूह) द्वारा अहि मई महिना भितर २००० सँ बेसी आदमीसंगेके बातचितसँ संकलन कएलगेल अछि । विषयके महत्व, सान्दर्भिकता आ तीव्रताके ध्यान दलक हल्ला, सवाल तथा जिज्ञासासभ चयन कएलगेल अछि । अई अंकमे समेटलगेल जानकारी बुलेटिन प्रकाशित भेल मितितक सत्य अछि ।

Coronavirus CivActs Campaign is brought to you by **Accountability Lab Nepal**.

accountabilitylab communities

@CivicActionTeams @civacts @CivActs

CivActs | Email: civactsnp@accountabilitylab.org | Phone: 9851203219